॥ श्रीहरिः ॥

जगद्गुरु श्रीमद्वल्लभाचार्य के सम्प्रदाय प्रमाण

उत्सव तथा व्रतन की टीप

विक्रम संवत् २०८० आनंद-राक्षस नाम संवत्सरे ईस्वी सन् 2023-2024

श्रीवल्लभाब्द ५४५ – ५४६ शालिवाहन शके १९४५ शोभन नाम संवत्सरे

जगद्गुरु:महाप्रभु:श्रीमद्वल्लभाचार्य वंशावतंस

गौ-ब्राम्हण प्रतिपाल वापीनरेश

गोस्वामि १०८ श्रीनीरजकुमारजी माधवरायजी महाराजश्री

की आज्ञासूं प्रकाशित

प्रकाशक : श्रीबलभद्र विद्या भण्डार – भक्तिसेतु: -वापी

"व्रजजन सर्वस्व गोपीजनवल्लभ प्रभु:श्रीबालकृष्णलाल एवं रेवतीवल्लभ श्रीदाऊदयालप्रभु:"

गोस्वामि १०८ श्रीनीरजकुमारजी माधवरायजी महाराजश्री के माथे बिराजमान

भक्तिसेतु: - वापी

वल्लभाब्द ५४५		चैत्र शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	बुध	22	मार्च, सन् 2023 संवत्सरोत्सव: | इष्टि: |
२	गुरु	23	
३	शुक्र	24	गणगौरी | (चूंदड़ी गणगौर)
४	शनि	25	पंचरंगी लहरियाँ (हरि गणगौर)
५	रवि	26	गुलाबी गणगौर
६	सोम	27	श्रीगुसाँईजी के 6लालजी श्रीयदुनाथजी को उत्सव | (१६१५) केसरी गणगौर एवं यमुना छट्ठ |
७	मंगल	28	
८	बुध	29	
९	गुरु	30	रामनवमी व्रतम् |
१०	शुक्र	31	रामनवमी व्रत की पारणा |
११	शनि	1	अप्रेल, कामदा एकादशी व्रतम् | श्रीवल्लभाचार्यचरण के उत्सव की बधाई बैठे |
१२	रवि	2	
१३	सोम	3	
१३	मंगल	4	
१४	बुध	5	
१५	गुरु	6	इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४५		वैशाख (गु. चैत्र) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	शुक्र	7	
२	शनि	8	
३	रवि	9	
४	सोम	10	
५	मंगल	11	
७	बुध	12	द्वि.नि.श्रीविट्ठलनाथजी को पाटोत्सव |
८	गुरु	13	
९	शुक्र	14	मेष सन्क्रान्ति सतुआ उत्थापन अथवा भोग में पुण्यकाल मध्याह्न से लेकर सूर्यास्त पर्यन्त| तामे भी सन्क्रान्ति के पास के २ घंटा तक अति मुख्य पुण्यकाल है | अब के यह सन्क्रान्ति ९ शुक्र कूं दिन के २ बजके ५९ मिनिट पर बैठी है | तासूं पुण्यकाल आज मान्यो जायेगो |
१०	शनि	15	
११	रवि	16	वरूथिनी एकादशी व्रतम् | श्रीवल्लभाचार्यजी (श्रीमहाप्रभुजी) को उत्सव | (१५३५) श्रीवल्लभाब्द ५४६ को प्रारम्भ: |
१२	सोम	17	
१३	मंगल	18	
१४	बुध	19	
३०	गुरु	20	इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४६		वैशाख शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	शुक्र	21	
२	शनि	22	श्रीमन्मथरायजी गादी बिराजे |
३	रवि	23	अक्षय तृतीया चन्दन यात्रा त्रेतायुगादि जलकुम्भदानम् |
४	सोम	24	श्रीगोवर्धनेशजी महाराज को उत्सव
५	मंगल	25	
६	बुध	26	
७	गुरु	27	
८	शुक्र	28	
९	शनि	29	
१०	रवि	30	
११	सोम	1	मई, मोहिनी एकादशी व्रतम् | आम को छप्पनभोग उत्सव – वापी |
१२	मंगल	2	
१३	बुध	3	श्रीबालकृष्णलाल प्रभु को पाटोत्सव (मोटा मन्दिर –मुम्बई) |
१४	गुरु	4	श्रीनृसिंह जयन्ती व्रतम् |
१५	शुक्र	5	श्रीमाधवरायजी महाराज तात उत्सव |

वल्लभाब्द ५४६			ज्येष्ठ (गु. वैशाख) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	वार	दि.	उत्सव	
१	शनि	6	इष्टि: |	
२	रवि	7	श्रीगोकुलनाथजी तातजी महाराज गादी बिराजे |	
३	सोम	8	कली के श्रृंगार को आरम्भ |	
४	मंगल	9		
५	बुध	10		
६	गुरु	11		
७	शुक्र	12		
८	शनि	13		
१०	रवि	14		
११	सोम	15	अपरा एकादशी व्रतम् |	
१२	मंगल	16	श्रीदीक्षितजी महाराज तात उत्सव |	
१३	बुध	17		
१४	गुरु	18	श्रीगोविन्दरायजी बावासाहेब को जन्मदिन |	
३०	शुक्र	19		

वल्लभाब्द ५४६		ज्येष्ठ शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	शनि	20	इष्टि: |
२	रवि	21	
३	सोम	22	
४	मंगल	23	
५	बुध	24	श्री... के नाव को मनोरथ |
६	गुरु	25	आज रात्रि के ९ बजे सूं ले के आषाढ़ कृष्ण ५ गुरु को सायं ६ बजके ५४ मिनिट तक सूर्य कूं रोहिणी नक्षत्र है, ता सूं इन दिनन में श्री के अंग में चन्दन धरावनो प्रशस्त है |
७	शुक्र	26	
७	शनि	27	
८	रवि	28	
९	सोम	29	
१०	मंगल	30	श्रीगंगादशमी दशहरा, श्रीयमुनाजी को उत्सव माने है |
११	बुध	31	निर्जला एकादशी व्रतम् |
१२	गुरु	1	जून
१३	शुक्र	2	
१४	शनि	3	स्नान को जल भरनो सांझ कूं जल को अधिवासन करनो |
१५	रवि	4	ज्येष्ठाभिषेक (स्नान यात्रा) | इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४६		आषाढ़ (गु. ज्येष्ठ) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	5	
३	मंगल	6	
४	बुध	7	
५	गुरु	8	
६	शुक्र	9	
७	शनि	10	
८	रवि	11	
९	सोम	12	
१०	मंगल	13	
११	बुध	14	योगिनी एकादशी व्रतम् |
१२	गुरु	15	
१३	शुक्र	16	
१४	शनि	17	
३०	रवि	18	इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४६			आषाढ़ शुक्लपक्ष: विक्रमाब्द २०८०
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	19	
२	मंगल	20	
३	बुध	21	रथयात्रा | श्रीमथुरेशजी महाराज तात उत्सव |
४	गुरु	22	प्रभु श्रीबालकृष्णलाल - श्रीदाऊदयाल प्रभु पाटोत्सव –वापी |
५	शुक्र	23	श्रीमन्मथरायजी महाराजश्री को जन्मदिन | श्रीमुकुन्दरायजी तात उत्सव | तृ.नि.श्रीद्वारकाधीशजी को पाटोत्सव: |
६	शनि	24	कसूम्बा छठ | षष्ठी पण्डगू |
७	रवि	25	
८	सोम	26	
९	मंगल	27	
१०	बुध	28	बैंगन दशमी |
११	गुरु	29	देवशयनी एकादशी व्रतम् | चातुर्मास्य नियमारम्भ:| कली के श्रृंगार पूर्ण |
१२	शुक्र	30	
१३	शनि	1	जुलाई
१४	रवि	2	
१५	सोम	3	गुरुपूर्णिमा | पर्वात्मक उत्सव चातुर्मास्य नियमारम्भ:| एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करनो तामे पूर्णिमा मुख्य |

वल्लभाब्द ५४६	निज श्रावण (गु. आषाढ़) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०	
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	मंगल	4	इष्टि: |
२	बुध	5	हिन्डोलारम्भ: (पूर्व दिन वैधृति योग होयवे सूं आज) | प्रभु आज सूं दशमी तांई सुरंग हिन्डोला झूलें |
३	गुरु	6	च.नि.श्रीगोकुलनाथजी तथा पं.नि.श्रीगोकुलचन्द्रमाजी को पाटोत्सव: | (चतुर्थी को क्षय होयवें सूं आज) |
५	शुक्र	7	
६	शनि	8	
७	रवि	9	
८	सोम	10	जन्माष्टमी की बधाई बैठे |
९	मंगल	11	
१०	बुध	12	
११	गुरु	13	कामिका एकादशी व्रतम् | मनोरथ के हिन्डोला प्रारम्भ |
१२	शुक्र	14	
१३	शनि	15	
१४	रवि	16	
३०	सोम	17	सोमवती अमावस, हरियाली अमावस |

वल्लभाब्द ५४६	अधिक श्रावण शुक्लपक्ष:		विक्रमाब्द २०८०
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	18	इष्टि:| पुरुषोत्तम मास को आरम्भ	कांस्य के पात्र में ३३ पूआ अथवा पक्वान्न भोग धरके वा को प्रतिदिवस दान या मास में प्रशस्त है	नित्य न बने तो हूं प्रथम दिवस तथा आगे द्वादशी में लिखे ५ पर्वन में अवश्य करनो दान को संकल्प एवं श्लोक पृष्ठ - 27 व 28 पर लिखे है	पुरुषोत्तम मास सम्बन्धी भोग स्नान दानादि नियमन को आरम्भ या मास में नित्य सेवा को विशेष नियम तथा भगवान्नाम जाप गीता भागवतादिकन के पाठ यथाशक्ति ब्राह्मण भोजन गोपूजनादि जो बन सके तो कछूं भी सत्कृत्य नित्य अवश्य करनो	
२	बुध	19	
३	गुरु	20	
३	शुक्र	21	या दिन व्यतीपात हे तासूं कछु भी भोग में विशेष धरनो तथा थोड़ी बहुत कछु भी दान ब्राह्मण भोजन यथाशक्ति करनो	
४	शनि	22	
५	रवि	23	
६	सोम	24	
७	मंगल	25	
८	बुध	26	
९	गुरु	27	
१०	शुक्र	28	
११	शनि	29	कमला एकादशी व्रतम्	
१२	रवि	30	या दिन वैधृति है तासूं ये भी अति पुण्यकाल है	तासूं कछु भी श्री के मनोरथ दानादिक अधिक यथाशक्ति करनो	
१३	सोम	31	
१५	मंगल	1	अगस्त, पुण्यदिनम्	

वल्लभाब्द ५४६		अधिक श्रावण कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	बुध	2	इष्टि: |
२	गुरु	3	
३	शुक्र	4	
४	शनि	5	
५	रवि	6	
७	सोम	7	
८	मंगल	8	
९	बुध	9	
१०	गुरु	10	
११	शुक्र	11	
११	शनि	12	कमला एकादशी व्रतम् |
१२	रवि	13	
१३	सोम	14	
१४	मंगल	15	
३०	बुध	16	पुण्यदिनम् | पुरुषोत्तम मास के नियम की समाप्ति: |

वल्लभाब्द ५४६		निज श्रावण शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	गुरु	17	इष्टि: |
२	शुक्र	18	
३	शनि	19	ठकुरानी तीज मधुस्रवा |
४	रवि	20	
५	सोम	21	नाग पंचमी |
६	मंगल	22	
७	बुध	23	
८	गुरु	24	
९	शुक्र	25	श्रावण ९ को बगीचा |
१०	शनि	26	
११	रवि	27	पुत्रदा एकादशी व्रतम् | प्रभुन कूं पवित्रा धरने प्रातः श्रृंगार में |
१२	सोम	28	गुरून कूं पवित्रा धरावने| श्रीगोपीनाथजी महाराज तात उत्सव |
१३	मंगल	29	चतुरानागा उत्सव | श्रीऋगवेदीन की श्रावणी |
१४	बुध	30	श्रीविट्ठलेशरायजी महाराज को उत्सव (१६५७) | आपस्तम्भ, हिरण्य केशीय, बोधायन काण्व माध्यन्दिन प्रभृति, सर्व यजुर्वेदीन, अथर्ववेदीन तथा तैतरीयन की श्रावणी |
१५	गुरु	31	रक्षाबन्धनं प्रातः श्रृंगार में ७ बजके ६ मिनिट पूर्व, श्रीगुसांईजी के ज्येष्ठ पुत्र श्रीगिरधरजी के लालजी श्रीदामोदरजी महाराज को उत्सव (१६३२) | इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४६		भाद्रपद (गु. श्रावण) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
२	शुक्र	1	सितम्बर |
३	शनि	2	कज्जली तीज |
४	रवि	3	हिन्दोला विजय |
५	सोम	4	
६	मंगल	5	
७	बुध	6	शयन में षष्ठी को उत्सव | विष्णुस्वामि प्राकट्योत्सव |
८	गुरु	7	जन्माष्टमी व्रतम् |
९	शुक्र	8	नन्द महोत्सव | श्रीकृष्णजीवनजी महाराज तात उत्सव |
१०	शनि	9	
११	रवि	10	अजा एकादशी व्रतम् |
१२	सोम	11	
१३	मंगल	12	
१४	बुध	13	काका वल्लभजी को उत्सव (१७०३) |
३०	गुरु	14	कुशग्रहणी अमावस |
३०	शुक्र	15	इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४६			भाद्रपद शुक्लपक्ष: विक्रमाब्द २०८०
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	16	राधाष्टमी की बधाई |
२	रवि	17	सामवेदीन की श्रावणी |
३	सोम	18	
४	मंगल	19	गणेश चतुर्थी |
५	बुध	20	ऋषि पंचमी | श्रीचन्द्रावलीजी को उत्सव |
६	गुरु	21	बलदेव छठ | श्रीललिताजी को उत्सव |
७	शुक्र	22	श्रीविशाखाजी को उत्सव |
८	शनि	23	राधाष्टमी – श्रीस्वामिनीजी को उत्सव |
९	रवि	24	श्रीमद्भागवत सप्ताह पारायण प्रारम्भ |
१०	सोम	25	लेखवारे पुरुषोत्तमजी को उत्सव | एकादशी को क्षय होयवें सूं आज |
१२	मंगल	26	परिवर्तिनी एकादशी व्रतम् | दान एकादशी, प्रभु श्रीकुँवरलाडिलेलाल को पाटोत्सव | श्री में वामन द्वादशी व्रतम्| श्रीमद्गोकुलनाथजी तातजी महाराज को उत्सव |
१३	बुध	27	
१४	गुरु	28	
१५	शुक्र	29	श्रीमद्भागवत पारायण सम्पूर्ण | सांझी को आरम्भ | श्राद्धपक्ष को आरम्भ ताको निर्णय पृष्ठ 29 पर एवं श्राद्धपक्ष को संकल्प पृष्ठ 30 पर लिख्यो है |

वल्लभाब्द ५४६		आश्विन (गु. भाद्रपद) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	शनि	30	
२	रवि	1	अक्टूबर
३	सोम	2	
५	मंगल	3	श्रीहरिरायजी को उत्सव (१६४७) |
६	बुध	4	
७	गुरु	5	
७	शुक्र	6	
८	शनि	7	श्रीगोपीनाथ प्रभुचरण के पुत्र श्रीपुरुषोत्तमजी को उत्सव (१५८७) |
९	रवि	8	
१०	सोम	9	श्रीदीक्षितजी बावासाहेब जन्मदिन (मिथुनरायजी) |
११	मंगल	10	इन्दिरा एकादशी व्रतम् (महादान) |
१२	बुध	11	श्रीमहाप्रभुजी के पुत्र प्रभुचरण श्रीगोपीनाथजी को उत्सव (१५६७) |
१३	गुरु	12	श्रीगुसाँईजी के 3लालजी श्रीबालकृष्णजी को उत्सव(१६०६)|
१४	शुक्र	13	
३०	शनि	14	सर्वपितृ अमावस, कोट की आरती और सांझी की समाप्ति |

वल्लभाब्द ५४६		आश्विन शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	रवि	15	इष्टि: | नवरात्रारम्भ: | मातामह श्राद्ध |
२	सोम	16	
३	मंगल	17	
४	बुध	18	
५	गुरु	19	
६	शुक्र	20	सरस्वती पूजनारम्भ: |
७	शनि	21	
८	रवि	22	
९	सोम	23	दशहरा (विजयादशमी) | सरस्वती विसर्जनम् |
१०	मंगल	24	श्रीगिरधरजी के प्रथम लालजी श्रीमुरलीधरजी को उत्सव |
११	बुध	25	पाशांकुशा एकादशी व्रतम् |
१२	गुरु	26	
१३	शुक्र	27	ष.नि.श्रीबालकृष्णजी को पाटोत्सव: | शरद पूर्णिमा (रासोत्सव:), पूर्णिमा शनि कूं चन्द्रग्रहण होयवे सूं आज |
१५	शनि	28	खण्डग्रास चन्द्रग्रहण ताको निर्णय पृ. 31 व 32 पर लिख्यो है |

वल्लभाब्द ५४६		कार्तिक (गु. आश्विन) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	रवि	29	इष्टि: |
२	सोम	30	
३	मंगल	31	
४	बुध	1	नवम्बर
५	गुरु	2	
६	शुक्र	3	
७	शनि	4	
८	रवि	5	
९	सोम	6	
१०	मंगल	7	
१०	बुध	8	
११	गुरु	9	रमा एकादशी व्रतम् | अन्नकूट की बड़ी सेवा |
१२	शुक्र	10	श्रीवत्स द्वादशी – वाघ बारस |
१३	शनि	11	धनतेरस |
१४	रवि	12	रूप चतुर्दशी (अभ्यंग), दीपावली (दीपोत्सव) हटड़ी (गोकर्ण जागरणम्) कान जगाई |
३०	सोम	13	सोमवती अमावस योग दोपहर २ बजके ५७ मिनिट तक | अन्नकूटोत्सव | गोवर्धन पूजा |

वल्लभाब्द ५४६		कार्तिक शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	मंगल	14	इष्टि: | गुर्जराणां २०८० वर्षारम्भ: |
२	बुध	15	यम द्वितीया (भाईदूज) |
३	गुरु	16	
४	शुक्र	17	
५	शनि	18	लाभ पांचम |
६	रवि	19	
८	सोम	20	गोपाष्टमी |
९	मंगल	21	अक्षय नवमी | कृत युगादि कूष्माण्ड दानम् |
१०	बुध	22	
११	गुरु	23	प्रबोधिनी एकादशी व्रतम् देवोत्थापनं प्रातः श्रृंगार में |
१२	शुक्र	24	श्रीगुसांईजी के 1लालजी श्रीगिरधरजी को उत्सव (१५९७) तथा 5लालजी श्रीरघुनाथजी को उत्सव (१६११) |
१३	शनि	25	
१४	रवि	26	
१५	सोम	27	चातुर्मास्य तथा कार्तिक के नियम की समाप्ति:| गोपमासारम्भ:|

वल्लभाब्द ५४६			मार्गशीर्ष (गु. कार्तिक) कृष्णपक्ष: विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	मंगल	28	इष्टि: | व्रतचर्या अथवा गोपमासारम्भ: |
२	बुध	29	
३	गुरु	30	
४	शुक्र	1	दिसम्बर
५	शनि	2	
६	रवि	3	
७	सोम	4	
८	मंगल	5	श्रीगुसांईजी के 2लालजी श्रीगोविन्दरायजी को उत्सव (१५९९) |
९	बुध	6	
१०	गुरु	7	घटा को आरम्भ (हरिघटा) | श्रीउत्तमश्लोकजी महाराज को उत्सव |
११	शुक्र	8	
१२	शनि	9	उत्पत्ति एकादशी व्रतम् |
१२	रवि	10	
१३	सोम	11	श्रीगुसांईजी के 7लालजी श्रीघनश्यामजी को उत्सव (१६२८)|
३०	मंगल	12	श्यामघटा |

वल्लभाब्द ५४६		मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	बुध	13	इष्टि:|
२	गुरु	14	दूज को चन्दा (चन्द्र घटा) |
३	शुक्र	15	
४	शनि	16	धनुर्मासारम्भ: |
५	रवि	17	स.नि.श्रीमदनमोहनजी को पाटोत्सव | श्रीजीवनजी महाराज को उत्सव, दोहरा मण्डान |
६	सोम	18	श्रीजीवनजी महाराज गादी बिराजे |
७	मंगल	19	श्रीगुसांईजी के 4लालजी श्रीगोकुलनाथजी को उत्सव (१६०८) |
८	बुध	20	
९	गुरु	21	श्रीगुसांईजी के उत्सव की बधाई बैठे (लाल घटा) |
१०	शुक्र	22	
१२	शनि	23	मोक्षदा एकादशी व्रतम् | श्रीमद्भगवद्गीता जयंती (गीता पारायण) |
१३	रवि	24	
१४	सोम	25	
१५	मंगल	26	श्रीश्रीनाथजी के नेम को छप्पन भोग | बलदेवजी को उत्सव | गोपमास की समाप्ति | इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४६ पौष (गु. मार्गशीर्ष) कृष्णपक्ष: विक्रमाब्द २०८०			
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	बुध	27	इष्टि: |
२	गुरु	28	
२	शुक्र	29	
३	शनि	30	
४	रवि	31	
५	सोम	1	जनवरी, सन् २०२४ का प्रारम्भ: |
६	मंगल	2	श्रीनीरजकुमारजी महाराजश्री को जन्मदिन | (गुलाबी घटा)
७	बुध	3	श्रीगुसांईजी के ज्येष्ठ पौत्र श्रीगोविन्दजी के पुत्र श्रीकल्याणरायजी को उत्सव (१६२५) |
८	गुरु	4	
९	शुक्र	5	प्रभुचरण श्रीविट्ठलनाथजी श्रीगुसांईजी को उत्सव (१५७२) |
१०	शनि	6	
११	रवि	7	सफला एकादशी व्रतम् | फल अवश्य भोग धरनो, फलन के दान अवश्य करनो |
१२	सोम	8	
१३	मंगल	9	
१४	बुध	10	
३०	गुरु	11	

वल्लभाब्द ५४६		पौष शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	शुक्र	12	
२	शनि	13	
३	रवि	14	भोगी संक्रान्ति, धनुर्मास की समाप्ति |
५	सोम	15	मकर संक्रान्ति: | तिलवा गोपीवल्लभ या राजभोग में ता पाछे दान श्राद्धादि करने | अबके यह संक्रांति ३ रवि कूं रात्रि के २ बजके ४४ मिनिट पर बैठे है तासूं पुण्यकाल आज सूर्योदय से लेके दिन के ३ बजके २३ मिनिट पर्यन्त है | तामे भी संक्रांति के पास के दो घण्टा अति मुख्य पुण्यकाल है | उत्तरायण |
६	मंगल	16	
७	बुध	17	
८	गुरु	18	
९	शुक्र	19	
१०	शनि	20	श्रीकल्याणरायजी महाराज तात उत्सव |
११	रवि	21	पुत्रदा एकादशी व्रतम् |
१२	सोम	22	
१३	मंगल	23	
१४	बुध	24	
१५	गुरु	25	माघ स्नानारम्भ: |

वल्लभाब्द ५४६		माघ (गु. पौष) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	शुक्र	26	इष्टि: |
२	शनि	27	
३	रवि	28	
४	सोम	29	
४	मंगल	30	
५	बुध	31	
६	गुरु	1	फरवरी
७	शुक्र	2	पीली घटा |
८	शनि	3	
९	रवि	4	
१०	सोम	5	
११	मंगल	6	षट्तिला एकादशी व्रतम् | तिल की वस्तु अवश्य भोग धरनो | तिल के दान भक्षणादि करने |
१२	बुध	7	
१३	गुरु	8	
१४	शुक्र	9	

वल्लभाब्द ५४६		माघ शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	शनि	10	इष्टि: |
२	रवि	11	
३	सोम	12	
४	मंगल	13	ष.नि.श्रीमुकुन्दरायजी को पाटोत्सव: |
५	बुध	14	बसन्त पंचमी |
६	गुरु	15	
७	शुक्र	16	
८	शनि	17	
९	रवि	18	
१०	सोम	19	
११	मंगल	20	जया एकादशी व्रतम् |
१२	बुध	21	
१३	गुरु	22	
१४	शुक्र	23	
१५	शनि	24	माघ स्नान की समाप्ति | होरी डाँडो दण्डारोपणं, आज सूर्योदयात् पूर्व प्रातः ४ बजके ४६ मिनिट पश्चात्, याही समय धमार को आरम्भ, रोपणी को उत्सव |

वल्लभाब्द ५४६		फाल्गुन (गु. माघ) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	25	इष्टि: |
२	सोम	26	
३	मंगल	27	
४	बुध	28	
५	गुरु	29	
६	शुक्र	1	मार्च
६	शनि	2	
७	रवि	3	श्रीश्रीनाथजी को पाटोत्सव: |
८	सोम	4	
९	मंगल	5	
११	बुध	6	
१२	गुरु	7	विजया एकादशी व्रतम् |
१३	शुक्र	8	महाशिवरात्री | प्रभु या दिन वाघम्बर धरें |
१४	शनि	9	
३०	रवि	10	इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४६		फाल्गुन शुक्लपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	11	
२	मंगल	12	
४	बुध	13	
५	गुरु	14	
६	शुक्र	15	
७	शनि	16	प्र.नि.श्रीमथुरेशजी को पाटोत्सव: |
८	रवि	17	होलिकाष्टकारम्भ: |
९	सोम	18	बगीचा नोम |
१०	मंगल	19	
११	बुध	20	आमलकी (कुंज) एकादशी व्रतम् |
१२	गुरु	21	
१३	शुक्र	22	तेरस को बगीचा
१३	शनि	23	
१४	रवि	24	होली, होलिका प्रदीपनं १५ सोम के सूर्योदयात् ६ बजके ३६ मिनिट पूर्व |
१५	सोम	25	दोलोत्सव (डोल), धूलिवन्दन (धुरेण्डी) |

वल्लभाब्द ५४६		चैत्र (गु. फाल्गुन) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८०
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	मंगल	26	इष्टि: | द्वितीया पाट |
२	बुध	27	
३	गुरु	28	
४	शुक्र	29	
५	शनि	30	
६	रवि	31	
७	सोम	1	अप्रेल
८	मंगल	2	
९	बुध	3	
१०	गुरु	4	
११	शुक्र	5	पापमोचिनी एकादशी व्रतम् |
१२	शनि	6	
१३	रवि	7	
३०	सोम	8	सोमवती अमावस | वर्षे हर्ष: प्रकर्ष: स्यात् |

अधिकमास के दान को संकल्प

अधिक मास में नित्य अथवा पूर्वोक्त दिनन में पूवा ३३ अथवा पक्वान्न ३३ कांस्य के पात्र में धरिके दक्षिणा सहित देने, बने तो घृत सुवर्ण तथा वस्त्र हूं संग देने ताको संकल्प आचमन प्राणायाम करके करनो |

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु: श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्याज्ञया प्रवर्त्तमान स्याद्य ब्रह्मणो द्वितीय परार्द्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तमे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे भूर्लोके जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तान्तर्गत ब्रह्मावर्तैक देशे अमुक देशे बौद्धावतारे अशीति: अधिकाद्विसहस्त्र संख्याके वैक्रमाब्दे नलनामसंवत्सरे (नर्मदा) के दक्षिण तीर सूं लेके पञ्चचत्वारिशत्युत्तर एकोनविंशतितमे शालिवाहन शाके शोभननाम संवत्सरे ऐसो कहनो |

वर्षाऋतौ अधिक श्रावणे पुरुषोत्तम मासे अमुकपक्षे अमुकतिथौ अमुक वासरान्वितायाममुकनक्षत्रे अमुक योगे अमुक करणे अमुकराशि स्थिते श्रीचन्द्रे कर्क राशि स्थिते श्रीसूर्ये मेष राशि स्थिते श्री देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथा राशि स्थान स्थितेषु सत्स्वेवं ग्रहगुण विशेषण विशिष्टायां शुभ पुण्यतिथौ मम वर्षत्रयोपार्जित कायिक, वाचिक, मानसिक सांसर्गिक समस्त पापक्षयार्थ पुराणोक्त शुभ फल प्राप्त्यर्थं श्रीगोपीजनवल्लभ प्रीत्यर्थमिमांस्त्रयस्त्रिंशद् विष्णवादि श्रीपत्यन्त त्रयस्त्रिषद्देवतान् श्रीपुरुषोत्तम दैवतान् कान्स्य पात्र स्थितान् सघृतान् सहिरण्यान् सवस्त्रान् सदक्षिणा कान् यथानामगोत्राय यस्मै कस्मैचिद् ब्राह्मणाय दातुमहमुत्सृज्ये तेन पुण्ये भगवान् सर्वात्मा श्रीगोपीजनवल्लभ: प्रीयताम् | अपूप के ठिकाने पक्वान्न होय तो 'अपूपस्थानापन्न पक्वानानि' ऐसो कहनो और घृत हिरण्यवस्त्रन में सूं न होय | ताके नाम को उच्चारण न करनो |

दान के श्लोक

विष्णुरूपी सहस्त्रांशु: सर्वपापप्रणाशन: | अपूपान्नप्रदानेन मम पापं व्यपोहतु ||१||

नारायण जगद्बीज भास्करप्रतिरूपधृक् | दानेनाऽनेन पुत्रान्श्च सम्पदं चाभिवर्द्धय ||२||

यस्य हस्ते गदाचक्रे गरूडो यस्य वाहन: | शंख करतले यस्य स मे विष्णु: प्रसीदतु ||३||

कलाकष्ठादिरूपेण निमेषघटिकादिना | यो वंचयति भूतानि तस्मै कालात्मने नमः ||४||

कुरुक्षेत्रसमो देशः कालः पर्व द्विजो हरिः | पृथ्वीसममिदं दानं गृहाण पुरुषोत्तम ||५||

मलानां च विशुद्धयर्थं पापप्रशमनाय च | पुत्रपौत्रभिवृद्धयर्थं तव दास्यामि भास्कर ||६||

पूवा देने होय तो प्रथम श्लोक में अपूपान्न प्रदानेन है सो ही कहनो और पक्वान्न देने होय तो पक्वान्नानां प्रदानेन ऐसो कहनो पुरुषोत्तम मास के स्नान दानादि नियम नित्य न बन सके तो हूं वदि ११ शनिवार सूं ३० बुधवार पर्यन्त इन दिनन में अवश्य करनो चाहिये |

इति शुभम् |

श्राद्धपक्ष को निर्णय (भाद्रपद शुक्ल पक्ष 15, शुक्रवार से आश्विन शुक्ल पक्ष 1, रविवार तक) [दिनांक 29.09.2023 से 15.10.2023 तक]			
तिथि	**वार**	**दि.**	**श्राद्ध**
भा.शु.१५ (पूर्णिमा)	शुक्र	29.09	प्रतिपदा (एकम्) को श्राद्ध
आ.कृ.१	शनि	30.09	द्वितीया (दूज) को श्राद्ध
आ.कृ.२	रवि	1.10	तृतीया (तीज) को श्राद्ध
आ.कृ.३	सोम	2.10	चतुर्थी (चौथ) को श्राद्ध एवं पिण्डरहित भरणी श्राद्ध
आ.कृ.५	मंगल	3.10	पंचमी (पाचम) को श्राद्ध
आ.कृ.६	बुध	4.10	षष्ठी (छठ) को श्राद्ध व व्यतीपात श्राद्ध
आ.कृ.७	गुरु	5.10	सप्तमी (सातम) को श्राद्ध
आ.कृ.७	शुक्र	6.10	अष्टमी (आठम) को श्राद्ध
आ.कृ.८	शनि	7.10	नवमी (नवम) को श्राद्ध व अविधवा नवमी
आ.कृ.९	रवि	8.10	दशमी (दशम) को श्राद्ध
आ.कृ.१०	सोम	9.10	एकादशी (ग्यारस) को श्राद्ध व मघा श्राद्ध
आ.कृ.११	मंगल	10.10	---
आ.कृ.१२	बुध	11.10	द्वादशी (बारस) को श्राद्ध व सन्यासीन को श्राद्ध
आ.कृ.१३	गुरु	12.10	त्रयोदशी (तेरस) को श्राद्ध
आ.कृ.१४	शुक्र	13.10	चतुर्दशी (चौदस) निमित्तक घायलन को श्राद्ध, जल शस्त्र आदि सूं मरण पायो होय उनके ही या दिन श्राद्ध
आ.कृ.३०	शनि	14.10	अमावस तथा सर्वपितृ को श्राद्ध
आ.शु.१	रवि	15.10	मातामह श्राद्ध **क्रमश: पृ.30**

विशेष : 1. जाकी मरण तिथि चतुर्दशी अथवा पूर्णिमा होय ताको महालय श्राद्ध अष्टमी, द्वादशी, अमावस्या, व्यतीपात या में सूं कोई भी दिन करनो प्रशस्त है |
2. षष्ठी बुध कूं व्यतीपात योग होय वे सूं यह दिवस श्राद्धादिक में विशेष प्रशस्त है | कोई भी तिथि को श्राद्ध रहि गयो होय या रही जायवे को सम्भव होय तो ताको श्राद्ध या दिवस करनो |

|| इति श्राद्धपक्ष निर्णय समाप्त ||

श्राद्धपक्ष को संकल्प

ॐ विष्णु:3श्रीमद् भगवतोमहापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रर्वत्तमान स्याद्य ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्री श्वेतवाराह कल्पे वैवस्वत मन्वन्तरेऽष्टा विन्शति तम कलियुगे कलि प्रथम चरणे भूर्लोके जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तान्तर्गत ब्रह्मावर्तैक देशे अमुक देशे बौद्धावतारे प्रमादीनाम्नि सप्तसप्ततिः अधिक द्विसहस्त्र संख्या के वैक्रमाब्दे शकानुसारेण शारवरी नाम संवत्सरे शरदूतौ आश्विन मासे (गुर्जर भाद्रपद मासे) कृष्णपक्षे अमुक तिथौ वासरान्वितायांनक्षत्र, योगे, करणे अमुक राशि स्थिते चन्द्रे, सिंह राशि स्थिते श्रीसूर्ये अमावस्या गुरुवारत: कन्या राशि श्रीसूर्ये धनु राशि स्थिते श्री देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथा राशि स्थान स्थिथेषु सत्वेवं ग्रह गुण विशेषण विशिष्टायां शुभ पुण्यतिथौ मम (नाम सम्बन्धोच्चारण) एतेषांयथानाम् गात्ररूपाणां पुरुष विषये सपत्नीकानांस्त्रीविषये सभर्तृक सपत्न्याम् विधिना महालयापर पक्ष श्राद्धमथवा सकृन्महालया पर पक्ष श्राद्ध सदैव सद्य: करिष्ये |

|| इति श्राद्धपक्ष निर्णय समाप्त ||

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण

संवत् २०८० शक: १९४५ आश्विन शुक्ल पूर्णिमा, शनिवार, दिनांक २९ अक्टूबर सन् २०२३ भारतवर्ष में खण्डग्रास चन्द्रग्रहण दिखाई देगो | नाथद्वारा में या दिन दिनमान २८ घड़ी १२ पल सूर्योदय स्टे .टा. ६ बजके ४० मिनिट सूर्यास्त ५ बजके ५६ मिनिट पर होयगो | ग्रहण को स्पर्श नाथद्वारा में रात्रि के १ बजके ५ मिनिट पर मध्य १ बजके ४५ मिनिट, मोक्ष २ बजके २३ मिनिट पर्वकाल १ घंटा १८ मिनिट को होयगो | शनिवार दिन के ३ बजके ७ मिनिट सूं ही वेध लगे है | तासूं दिन के ३ बजके ७ मिनिट पूर्व ही भोजन (प्रसाद) लियो जायगो | शनिवार रात्रि कूं ९ बजके २९ मिनिट सूं पूर्व ही जल पीयो जायेगो | बिना जनेऊ के बालक तथा छोटी कन्या, वृद्ध, अशक्त रात्रि कूं ९ बजके २६ मिनिट सूं पूर्व प्रसाद ले सकेंगे | १५ शनिवार के दिन १२ बजके ३० मिनिट राजभोग हो जाय ऐसो क्रम राखनो | उत्थापन के शंखनाद भी ऐसे समय पर करने ताकि ६ बजे सूं पूर्व ही शयन की सेवा हो जाय | शयन की सखड़ी सब गायन कूं जाय | सेवा में सुपेदी सब कोरी राखनी, रसोई, बालभोग आदि स्थल तथा पात्रन की शुद्धि ग्रहण में जैसी होती होय, वैसी करनी | सर्वत्र दर्भ धरनो | श्री कूं रात्रि के १२ बजके १५ मिनिट के सुमार ग्रहण निमित्तक जगावने | रीति प्रमाणे सूको मेवा प्रभृति धरनो | या ग्रहण को पर्वकाल १ घंटा १८ मिनिट होयवे तथा मंगल भोग मोक्ष पश्चात् धरवे सूं ग्रहण लगने सूं पूर्व प्रभु कूं दूधघर को अधकी भोग तथा दूध को डबरा अरोगानो भी प्रशस्त है |स्पर्श सूं चारेक मिनिट पूर्व दूध घर को भोग उठाय झारी बंटा हूं पट्ट वस्त्र सूं उठावने | स्पर्श समय दर्शन खोलिके जपादिक करने | शनिवार की रात्रि के १ बजके ४५ मिनिट के पीछे श्री के आगे दान को संकल्प करनो | खिचड़ी को डबरा घृत दक्षिणा सहित प्राय: सर्वत्र दियो जाय है | प्रत्यक्ष अथवा निष्क्रय द्वारा गोदान जहां जैसा हो तो होय तहां वैसो कीयो जाय | मनुष्य भी यथाशक्ति दानादि अवश्य करें | मोक्ष भये पीछे चार पाँच मिनिट ठहरके स्नानादि करने शुरू हो | नवीन जल सूं झारी भरनी | श्री कूं स्नान करवाय के ग्रहण पीछे को अनसखडी भोग तथा मंगल भोग संग ही धरनो | नित्य प्रमाणे राजभोग पर्यन्त की सेवा करनी, अनवसर कर यथाशक्ति ब्राह्मण भोजन, वैष्णव भोजन पूर्वक प्रसाद लेनो |

यह ग्रहण – मिथुन, कर्क, वृश्चिक, कुम्भ राशि वारेन कूं शुभ

सिंह, तुला, धनु, मीन राशि वारेन कूं मध्यम

मेष, वृषभ, कन्या, मकर, राशि वारेन कूं अशुभ

जिनको जन्म नक्षत्र अश्विनी होय उनकूं अति अनिष्ट | जिनकूं ग्रहण अनिष्ट होय उनकूं एक कांस्य के पात्र में तातो पतरो घृत भरिके सुवर्ण को नाग तथा चन्द्र बिम्ब धरिके वा ताते पतरे घृत में मुख देखिके दक्षिणा सहित दान करनो | ताको मन्त्र -

तमोमय महाभीम सोमसूर्य विमर्दन |

हेमतार प्रदानेन मम शान्ति प्रदो भव ||१||

विधुन्तुद नमस्तुभ्यं सिंहिका नन्दनाऽच्युता |

दानेनानेन नागस्य रक्ष मां वेधजाद् भयात् ||२||

स्टे.टा.	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्वकाल
घन्टा	१	१	२	१
मिनिट	५	४५	२३	१८

गणितकर्ता- श्रीनाथद्वारा विद्याविभाग

<u>भक्तिसेतु: हवेली (वापी गृह) में बिराजमान जनानान् (बहुजी, बेटीजी) के उत्सव व जन्मदिन की यादी:-</u>

चैत्र शुक्ल ९ :: अ.सौ.गो.श्रीश्रुतिरूपा बहुजी नीरजकुमारजी(बहुजी सरकार) को जन्मदिन |

श्रावण शुक्ल ७ :: चि.कु.श्रीश्रावणी बेटीजी गोविन्दरायजी (तारिका राजा) को जन्मदिन |

श्रावण शुक्ल ११ :: अ.सौ.गो.श्रीरानी बहुजी गोविन्दरायजी (नीलाक्षी बहुजी) को जन्मदिन |

भाद्रपद शुक्ल ११ :: चि.कु.श्रीसुद्विजा बेटीजी गोविन्दरायजी (जनिका राजा) को जन्मदिन |

कार्तिक शुक्ल ३ :: चि.कु.श्रीकमलाक्षी बेटीजी गोविन्दरायजी (यूथिका राजा) को जन्मदिन |

कार्तिक शुक्ल ८ :: नि.ली.गो.श्रीपूर्णिमा बहुजी माधवरायजी महाराज (अम्माजी) को उत्सव |

पौष कृष्ण ९ :: अ.सौ.गो.श्रीलाडीली बहुजी मन्मथरायजी (शिखा बहुजी) को जन्मदिन |

चैत्र कृष्ण ११ :: अ.सौ.पू.श्रीगीता बेटीजी माधवरायजी (बुआजी) को जन्मदिन |

4-year paathyakram for universal paathshaalas..

Contact Numbers :: संपर्क

- भक्तिसेतु: अधिकारीजी +91 99740 87613 /
  विनुभाई वाछाणी +91 81550 99099
- पाठशाला प्रधान अध्यापिका +91 97141 07906
  अ.सौ.श्रीरानीबहुजी गोविन्दरायजी
- अध्यापिका हैदराबाद +91 79817 38258
  अरुणाबेन डागा
- अध्यापिका सिकन्दराबाद +91 94413 33939
  दक्षाबेन पटेल
- अध्यापिका वापी +91 70469 17662
  पूनमबेन गांधी
- Volunteer drive भक्तिसेतु: +91 80966 36007
  डॉ.हरीशभाई ओझा
- V.a.p.i. study class +91 95745 50822
  गीताबेन महेता
- पू. जेजेश्री की पधरामनी / ऑफ़्लाइन / ऑनलाइन
  वचनामृत के लिए -
  +91 97129 77509 / +91 93770 11145
  कमलभाई जुठाणी

श्रीगोकुलनाथजी के वचनामृत / तीज-तेरस एक, पंचमी-पूनम एक, चतुर्दशी-अमावस्या वर्जित|

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मृ.	महिना तिथिन के फल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहोत सुख होय, क्लेश न होय, अर्थ पूर्ण होय
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	अर्थपूर्ण होय, कामनापूर्ण होय
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	क्लेश होय, जीव नाश होय, कुशल सूं घर नहीं आवे
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	महाचिन्ता होय, वियोग कदाचित् घर आवे
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	सौभाग्य पावे, रत्न सहित भलीभांति सूं घर आवे
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	मिलवो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश होय
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावे, कामना सिद्ध होय
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य पावे, दिन बहुत लगे, कुशल सूं घर आवे
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	क्लेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावे नहीं
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मार्ग में सिद्धि, मित्र मिले,विघ्न मिटे,धन को लाभ होय

विशेष:- श्रीगोकुलनाथजी के वचनामृत तालिका की तिथिन कूं व्रजमास की गणना प्रमाण देखनी|

गणितकर्ता- श्रीनाथद्वारा विद्याविभाग

जगद्गुरु:महाप्रभु:श्रीमद्वल्लभाचार्य वंशावतंस गौ-ब्राम्हण प्रतिपाल

गोस्वामि १०८ श्रीगोविन्दरायजी नीरजकुमारजी महोदयश्री (पू.जे.जेश्री)

भक्तिसेतु: - वापी / हैदराबाद

जन्मदिन : व्रज ज्येष्ठ कृष्ण १४

तारीख : 22/05/1982

जगद्गुरु:महाप्रभु:श्रीमद्वल्लभाचार्य वंशावतंस गौ-ब्राम्हण प्रतिपाल

वापीनरेश गोस्वामि १०८ श्रीनीरजकुमारजी माधवरायजी महाराज (सरकारश्री)

भक्तिसेतु: - वापी / मोटा मंदिर – मुम्बई

जन्मदिन : व्रज पौष कृष्ण ६

तारीख : 12/12/1957